भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न सं. 172

6 दिसम्‍बर, 2013 को उत्‍तरार्थ

**विषय: महाराष्‍ट्र में किसानों द्वारा आत्‍महत्‍या ।**

**172. श्री प्रकाश जावडेकर:**

**क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्‍या पिछले वर्ष महाराष्‍ट्र के विदर्भ तथा अन्‍य क्षेत्रों में सैकड़ों किसानों ने आत्‍महत्‍या की है;

(ख) क्‍या पिछले सात वर्षों में गत वर्ष व्‍यथित किसानों द्वारा आत्‍महत्‍या की संख्‍या में वृद्धि

सबसे अधिक रही है;

(ग) यदि हां, तो उक्‍त क्षेत्रों में किसानों के बीच ऐसी दु:खद स्‍थिति की व्‍यापकता के ब्‍यौरे

सहित उसके कारण क्‍या हैं; और

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा महाराष्‍ट्र में किसानों द्वारा आत्‍महत्‍या करने के

बढ़ते मामलों पर नियंत्रण प्राप्‍त करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्‍यौरा क्‍या है ?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री तारिक अनवर)**

**(क) से (ग):** राष्‍ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्‍यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2006 से वर्ष 2012 के लिए स्‍वरोजगार (खेती/कृषि) श्रेणी के तहत महाराष्‍ट्र में आत्‍महत्‍याओं की संख्‍या नीचे दी गई है:

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **आत्‍महत्‍याओं की संख्‍या** |
| 2006 | 4453 |
| 2007 | 4238 |
| 2008 | 3802 |
| 2009 | 2872 |
| 2010 | 3141 |
| 2011 | 3337 |
| 2012 | 3786 |
|  |  |

उपर्युक्‍त आंकड़ों के अनुसार, महाराष्‍ट्र में 2006 की तुलना में 2007, 2008 और 2009 में स्‍वरोजगार श्रेणी के अंतर्गत आत्‍महत्‍याओं की संख्‍या में कमी आई है लेकिन 2010, 2011 तथा 2012 में आत्‍महत्‍याओं की संख्‍या में वृद्धि हुई है । तथापि, पिछले सात वर्षों में 2012 में हुई आत्‍महत्‍याओं की संख्‍या सर्वाधिक नहीं है । आत्‍महत्‍याओं के कारणों में पारिवारिक समस्‍या, बीमारी, मादक पदार्थों के सेवन की लत, बेरोजगारी, सम्‍पत्‍ति विवाद, दिवालियापन या आर्थिक स्‍थिति में अचानक हुए परिवर्तन, गरीबी, व्‍यावसायिक/कैरियर की समस्‍या, प्रेम संबंध,बांझपन/नपुंसकता, शादी न होना/शादी टूटना, दहेज विवाद, सामाजिक स्‍थिति में गिरावट, अज्ञात कारण आदि शामिल हैं ।

**(घ):** भारत सरकार ने महाराष्‍ट्र में किसानों द्वारा सामाना किए जाने वाली कठिनाईयों को दूर करने के लिए महाराष्‍ट्र में छह जिला सहित चार राज्‍यों में 31 आत्‍महत्‍या प्रवण जिलों को कवर करते हुए 19,998.85 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज का कार्यान्‍वयन किया है और वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक 3,250 करोड़ रूपये का कुल आवंटन के साथ विदर्भ गहन सिंचाई विकास कार्यक्रम (वीआईआईडीपी) की घोषणा भी की है

सरकार ने निवेश को बढ़ाने, कृषि पद्धतियों में सुधार,ग्रामीण अवसंरचना और ऋण उपलब्‍धता, प्रौद्योगिकी और अन्‍य आदानों, विस्‍तार, विपणन आदि की सतत आधार पर कृषि समूह की स्‍थिति को सुधारने और कृषि क्षेत्र के पुररूद्धार के लिए अन्‍य कई उपाय भी किए गए हैं । कृषि क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्‍न कार्यक्रमों/स्‍कीमों को राज्‍य सरकारों की विशिष्‍ट आवश्‍यकताओं के अनुरूप उपयुक्‍त परियोजनाओं को तैयार करने तथा कार्यान्‍वित किए जाने के लिए लचीलेपन के साथ विकेन्‍द्रीकृत ढ़ंग से कार्यान्‍वित किया जा रहा है । कृषि आय का विस्‍तार, गैर कृषि आय के अवसरों का सृजन, वर्षा आधारित कृषि उत्‍पादकता में सुधार, संरक्षित सिंचाई के तहत कृषि क्षेत्रों का दायरा बढ़ाने और उपयुक्‍त अग्र और पश्‍च सम्‍पर्क जोड़ना सरकार की प्राथमिकताएं हैं । सरकार द्वारा किसानों के हितों के लिए किए गए अन्‍य उपायों में कृषि जिन्‍सों के लिए न्‍यूनतम समर्थन मूल्‍य में वृद्धि, कृषि क्षेत्र के ऋण प्रवाह में वृद्धि, ऋण माफी/राहत, फसल ऋण पर ब्‍याज की छूट, लघु आवधिक ग्रामीण सहकारी ऋण संरचना सुदृढ़ीकरण के लिए पुनरूद्धार पैकेज शामिल हैं ।

------------